विचार बिन्दु

अपने नाम को कमल की तरह निष्कलंक बनाओ। –लांग फैलो

राम की ''आदिपुरुष'' छवि किसी को नहीं जमी

हिन्दुस्तानी सिनेमा के सौ साल से अधिक के इतिहास में किसी फिल्म की इतनी पिटाई और किरकिरी नहीं हुई होगी जितनी हाल ही में रिलीज 'आदिपुरुष' की हुई है। आधुनिकतम कंप्यूटरजनित महंगी तकनीक 'वीएफएक्स' का उपयोग करते हुए कुछ जबरदस्त नया कर दिखाने और दर्शकों का दिल व बॉक्स ऑफिस को लूट लेने का सपना यदि उसे बनाने वालों ने देखा होगा तो वह चूर-चूर हो गया है। हिन्दुस्तानी सिनेमा इतिहास में ऐसा अनेक बार ऐसा हुआ है कि समीक्षकों ने किसी फिल्म को भाव नहीं दिया मगर दर्शकों ने उसे सिर पर बिठा कर सुपर हिट कर दिया, या समीक्षकों ने जिसकी भूरी-भूरी प्रशंसा की उसे दर्शकों ने पूरी तरह ठुकरा दिया। यह पहली बार हो रहा है कि दर्शकों में भारी उत्सुकता का माहौल बनाते हुए प्रदर्शित हुई इस फिल्म को समीक्षकों तथा आम दर्शकों, दोनों ने पूरी तरह खारिज कर दिया। नई डिजिटल भाषा में कहें तो वह जबरदस्त 'ट्रोल' हो रही है। 'अदिपुरुष' इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में फिल्में बना रही अभिमानी पीढ़ी का खोखलापन उजागर करती है। यह वह पीढ़ी है जो पढ़ी-लिखी है किंतु शिक्षित नहीं है। वह सोशल मीडिया पर चलने वाले ऐतिहासिक नेरेटिव से पूरी तरह भ्रमित है और जिसकी गंभीर चिंतन की कोई शिक्षा नहीं है। सिनेमा में रचनात्मकता और अभिव्यक्ति की आज़ादी के नाम पर हिंसा, नग्नता के साथ मां-बहिन की गालियों वाले संवाद जब स्वीकार कर लिए जाने लगें और नए सिनेकारों को अनैतिक सामाजिक परिवेश व विवाहेत्तर रिश्तों को परदे पर दिखाने का अधिकारपूर्वक गर्व होने लगे तब उसकी परिणति आदिपुरुष में ही होनी होती है। हिंदुस्तान के लोग बड़े सहिष्णु हैं। कलात्मक और रचनात्मक आज़ादी लेते हुए उन्हें मर्जी आए जो परोसा जा सकता है। वे परवाह भी नहीं करते हैं। मगर 'आदिपुरुष' एक ट्रेजेडी सिद्ध हुई है। किसी ने पूछा है कि इतनी बड़ी ट्रेजेडी किसी फिल्म के साथ कैसे हो सकती है? वह भी एक ऐसी फिल्म के साथ जो एक ऐसे कॉन्सेप्ट पर आधारित है जिसे सफलता मिलनी ही मिलनी थी। मगर फिल्म रसातल में मिल गई। ऐसा कैसे हो गया? ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि एक महाकाव्य को भोंडे तरीके से प्रस्तुत किया गया। 'आदिपुरुष' से नया सिनेमा रचने वाले फंस गए। उन्होंने अपनी उस्तादी दिखानी चाही जो नहीं चली। फिल्म बनाने वालों की 'रामायण' को आधुनिक बनाने का कारनामा फूहड़ साबित हुआ। करीब दो दशक पहले 'रामायण' पर बने जिस सीरियल के टेलिकास्ट के समय रास्ते सुनसान हो जाते थे उसके निर्माता रामानंद सागर ने भी नई पीढ़ी को संबोधित करते हुए अपने तरीके से वह कहानी कही थी और सफल रहे थे क्योंकि उन्होंने इस महाकाव्य का मूल तत्व मर्यादा को खूबसूरती से बनाए रखा, जिससे जो नया किया गया वह भी लोक का हो गया। उस सीरियल के संवादों में आए अप्रचलित 'माताश्री' और 'मामाश्री' जैसे शब्द लोगों की बोलचाल में आ गए। हनुमान का सम्बोधन 'जय श्रीराम' तो राजनीति में हुंकार वाला नारा बन गया।

सिनेमा में पात्र जीवन से बड़े (लर्जर देन लाइफ) होते हैं। राम के चरित्र का तो लर्जर देन लाइफ का होना और भी स्वाभाविक है क्योंकि वे विष्णु के अवतार माने गए हैं। सनातन परंपरा में माना गया है कि भगवान जब पृथ्वी पर आते हैं तब वे मानव शरीर में जन्म लेकर आते हैं। राम मानव शरीर में इंसानी आदर्श के प्रतीक हैं। मगर उन्हें 'बाहुबली' की भांति मर्दाना दिखाना किसी को समझ में नहीं आया। अवतारी पुरुष राम की सैकड़ों वर्षों की भारतीय मन की कल्पना भुजाएं फड़फड़ाने वाले क़िरदार की नहीं है और न ही हल्की भाषा बोलने वाले पात्र हनुमाने की। राम महाबली तो हैं, मगर वे विनय के सागर हैं। 'रामायण' का राम क्रोध से तमतमाता नहीं। इस महाकाव्य में राम को सिर्फ एक जगह क्रोध आता है जब समुद्र उन्हें राह नहीं देता और वे अपना धनुष निकाल लेते हैं। मगर तब भी किसी को फफेडते नहीं। फिल्म बनाने वाले सोच रहे थे कि वे कुछ नये स्टाइल में ऐसी फिल्म लाएंगे कि लोग देखते रह जाएंगे। किन्तु वे भूल गए कि भगवान राम की कथा लोगों के हृदय में गहराई से बसी हुई है। रामलीलाओं और फिल्मों में राम के किरदार की प्रस्तुतियां अलग-अलग रूप में होते हए भी सभी को दर्शक स्वीकार्य होती रही हैं, किन्तु 'आदिपुरुष' में पहली बार उसे नकार झेलना पड़ा है। इसीलिए यह फिल्म उत्पाद तुच्छ बन कर रह गया। वे लोग शायद अधिक निराश हुए हैं जो इस फिल्म से देश भर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ने की आशा कर रहे थे। इस्कॉन के एक प्रचारक ने व्यंग्य में कहा कि इस फिल्म ने पूरे देश को जोड़ दिया। पहले ऐसा कभी नहीं हुआ कि वामपंथ और दक्षिणपंथ के लोग किसी एक राय पर एक साथ हुए हों। लेकिन दोनों तरफ के लोग बोल रहे हैं कि यह मूवी गलत है। इस फिल्म की असली समस्या उसका रामायण के चरित्रों को कॉमिक बुक चरित्रों की तरह प्रस्तुत करना है। रामायण के पात्रों को जो लुक, परिवेश और भाषा दी गई वह दयनीय और निराशाजनक सिद्ध हुई। एक नहीं अनेक गड़बड़ियां है इस फिल्म में। फिल्म शुरू होती है प्रमुख पात्र राम से। पहली बार मूछों वाला राम लोगों को दिखाया गया। एक सौम्य और हमेशा मुस्कराते राम की कल्पना के बरक्स इसमें उदासीन चेहरा लिए राम है। रामानंद सागर की रामायण में राम बने अरुण गोविल हमेशा सौम्यता से मुस्कराते रहते परदे पर नज़र आते हैं। सागर की रामायण में सौम्य और मुस्कराता राम है तो इसमें इसमें मूछों वाला गंभीर चेहरा। किसी ने मजाक में कहा भी है कि फिल्म में ऐसा लगता है कि जैसे किसी खडक सिंह की मूंछें उठा कर राम पर चिपका दी गई हो। बाहुबली का काबिल अभिनेता प्रभाष यहां एकदम अनफिट है। इसे कास्टिंग ब्लन्डर कह दें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। राम का चरित्र ऐसी गरिमा वाला है जिसमें मासूम सादगी के साथ भारी अलौकिकता की झलक महसूस होती है। फिल्म वालों ने राम को नारंगी रंग की बनियान भी पहिना दी। हनुमान का चरित्र निभाने वाला अभिनेता बताते हैं सऊदी अरब के जिम से लाया गया है। राम और लक्ष्मण के गले में चमड़े के पट्टे दर्शक को रामायण काल में नहीं ले जाते। मेघनाद के टेट्टुओं से भरे बदन से फिल्म बनाने वाले क्या साबित करना चाहते थे ये तो वे ही जानें। सीता के पात्र को जो वस्त्र पहिना कर उसे ग्लैमरस बनाने का प्रयास किया गया है भले ही सीता के सौन्दर्य को दिखाने के लिए इसकी दरकार कहीं नहीं थी। रावण का हेयर कट भी आज के किशोरों की पसंद वाला है लेकिन उससे वह महाबली रावण नहीं रह जाता। कंप्यूटरजनित रावण के दस शीश आपस में कसमसाते हुए ही नज़र आते हैं। 'रामायण' की कथा में स्वर्ग के राजा इन्द्र पर भी विजय पा लेने वाला रावण भले ही खलनायक रूप में है किन्तु उसकी भी अपनी गरिमा है। फिल्म में रावण को हथियार बनाने वाला लुहार बना दिया गया है। रावण द्वारा सीता हरण के दृश्य में विमान की जगह चमगादड़ ईजाद कर देना और जटायु को चील बना देने को हास्यास्पद ही कहा जा सकता है। फिल्म रिलीज़ होते ही दौड़ कर पहुंचे दर्शकों की भीड़ ने पाया कि यह तो खोदा पहाड़, निकली चुहिया है। वह भी मरी हुई।

> **इस फिल्म की असली समस्या उसका रामायण के चरित्रों को कॉमिक बुक चरित्रों की तरह प्रस्तुत करना है। रामायण के पात्रों को जो लुक, परिवेश और भाषा दी गई वह दयनीय और निराशाजनक सिद्ध हुई। एक नहीं अनेक गड़बड़ियां है इस फिल्म में।**

कहते हैं कि फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर बचाने के लिए संवाद बदलने का उद्यम भी हुआ है। गिरती फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर उठाने का ऐसा प्रयत्न नया नहीं है। अनेक बार सिनेमाघरों में चलती फिल्मों में कुछ जोड़ा या हटाया गया है अथवा अंत बदला गया है, मगर ऐसा करके अब तक कोई भी फिल्म सफल नहीं हुई है। हिंदुस्तान के दर्शक ने एक बार जिसे नकार दिया वह फिल्म फिर नहीं चल सकी। यह तो सारी की सारी अंधेरी मूवी है। भारत में युद्ध सूर्योदय से सूर्यास्त तक होने की परंपरा रही है। मगर इसमें सारे युद्ध अंधेरे में, रात में होते दिखाए गए हैं। इसे कलयुग की रामायण भी नहीं कह सकते। मनोज कुमार ने तो 'कलयुग की रामायण' नाम से फिल्म ही बना डाली थी मगर वह भी बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी थी। हालांकि मनोज कुमार ने उसमें रामकथा नहीं कही थी, वह नई कहानी थी। व्यावसायिक फिल्म वालों से यह अपेक्षा तो किसी को नहीं होती है कि वे आस्था को लेकर कोई महान फिल्म बना सकेंगे। बॉलीवुड में फिल्में आस्था को लेकर नहीं बनाई जाती है। आस्था को भुनाने के लिए जरूर बनाई जाती रही है। 'आदिपुरुष' को बनाने वाले अपनी बेवकूफी से भरी आस्था का परिचय देना चाहते थे या अपनी रचनात्मकता के जलवे दिखाना चाहते थे या आधुनिक तुलसीदास बनने चले थे, कुछ नहीं कहा जा सकता। हर साल छह-सात फिल्में निकाल देने वाली टी-सिरीज़ कंपनी, हालांकि जिसकी सूची में एक भी ऐसी फिल्म नहीं है जिसे कलात्मक सिनेमा कहा जा सके, की मति मारी गई थी कि उसने 500 करोड़ रुपये के बजट से यह फिल्म बनाई और अपनी छीछालेदारी कराई। फिल्म व्यवसाय के एक गंभीर समीक्षक का कहना है कि 'वैस्टर्न एडवेंचर' जैसी ऐसी फिल्मों से ही बॉलीवुड बदनाम होता है। 'रामायण' के राम की विनय की सीख पर चलने वाले अधिकतर भारतीय जन ने उसे विनयपूर्वक त्याग दिया और फिल्म अपनी गति को पा गई।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

मानसून की दस्तक के साथ पिछोला झील में पानी की आवक शुरू

उदयपुर, (कासं)। झीलों के शहर में उमस के बीच बारिश का मंगलवार को तीसरा दिन रहा। हालांकि शहर में तो हल्के क्रम की बारिश ही रही लेकिन केचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होने से पीछोला में आवक शुरू हो गई है। शुरूआती बारिश ने ही सीसारमा नदी को प्रवाहित कर दिया है। इसका पानी पिछोला झील में पहुंच रहा है। 11 फीट क्षमता वाला पीछोला मात्र ढाई फीट ही खाली है। ऐसे में इस बार झीलों के जल्द भरने की उम्मीद है। इधर, शाम 5 बजे तक बीते 12 घंटों में जिले में सर्वाधिक बारिश बागोलिया में दो इंच (49 मिमी) रिकॉर्ड की गई।

- **सीसारमा चार फीट चली, बागोलिया में दो इंच बारिश**
- **11 फीट क्षमता वाला पीछोला मात्र ढाई फीट ही खाली**

उदयपुर शहर में बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया।

लेकसिटी में आज भी मौसम में उमस घुली रही और दोपहर बाद कुछ देर बारिश हुई जिससे उमस से हल्की राहत दी। बारिश का यह क्रम रूक-रूक बना रहा। झीलों की खूबसुरती के लिए विश्व विख्यात लेकसिटी की झीलों में आवक भी एक ही बारिश से शुरू हो गई है। पीछोला झील में सीसारमा नदी के चार फीट चलने से आवक शुरू हो गई है। झील का जलस्तर 8 फीट 5 इंच बना हुआ है। 11 फीट क्षमता वाली यह झील केवल ढाई फीट खाली है। इसके लबालब होने के साथ ही इसका पानी लिंक नहर के जरिए फतहसागर झील में आना शुरू हो जाएगा। इधर, फतहसागर झील को भरने वाला मुख्य स्त्रोत मदार नहर भी एक यो दो अच्छी बारिश से चल सकती है क्योंकि मदार बड़ा साढ़े तीन फीट ही खाली है। मानसूनी दस्तक से जिस तरह बारिश हो रही है यही क्रम सीजन में बना रहा तो इस बार झीले जल्द ही छलक जाएगी। फतहसागर का जलस्तर 7 फीट 7 इंच बना हुआ है। 13 फीट क्षमता वाला फतहसागर 5 फीट 5 इंच खाली है। जल संसाधन विभाग के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक समाप्त बीते 12 घंटों में उदयपुर जिले में सर्वाधिक बारिश बागोलिया में 49 मिमी, देवास 45, झाड़ोल 14, मदार 30, ओगणा 29, वल्लभनगर 36, उदयपुर शहर 07, गोगुन्दा 06, नाई में 1 मिमी बारिश हुई है।

चीफ जस्टिस मसीह ने यूथ एडवोकेट ट्रेनिंग का उद्घाटन किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ऑगस्टिन जार्ज मसीह मंगलवार को जोधपुर पहुंचे। उन्होंने नेशनल लॉ युनिवर्सिटी में यूथ एडवोकेट की पांच दिवसीय ट्रेनिंग का उद्घाटन किया। इससे पूर्व मसीह का नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में स्वागत किया गया।

- **इस ट्रेनिंग में प्रचलित लॉ के बारे में जानकारी दी जायेगी, यह प्रशिक्षण एक जुलाई तक चलेगा**

बार कौंसिल ऑफ राजस्थान व नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को यूथ एडवोकेट्स की ट्रेनिंग करवाई जा रही है। इस ट्रेनिंग में प्रचलित लॉ के बारे में जानकारी दी जा रही है। यह प्रशिक्षण एक जुलाई तक चलेगा। कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधिपति राजस्थान उच्च न्यायालय एवं चांसलर, राष्ट्रीय विधि विश्वविघालय, ऐ.जे. मसीह मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में प्रदेश के कुल 319 यूथ एडवोकेट ने हिस्सा लिया। लॉ यूनिवर्सिटी में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति पूनम सक्सेना ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक जगमाल सिंह चौधरी व सह संयोजक बलजिंदर सिंह संधू है। एक जुलाई तक चलने वाले इस कार्यक्रम में प्रथम पारी में लॉ यूनिवर्सिटी के संकाय सदस्य व सेकेंड पारी में न्यायाधीश, कौंसिल के सदस्य तथा वरिष्ठ अधिवक्ता प्रचलित कानूनों के संबंध में व्याख्यान देंगे।

राजस्थान हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ऑगस्टिन जार्ज मसीह ने नेशनल लॉ युनिवर्सिटी में यूथ एडवोकेट की पांच दिवसीय ट्रेनिंग का उद्घाटन किया।

उद्घाटन कार्यक्रम में बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के को-चेयरमैन सीनियर एडवोकेट डॉ. सचिन आचार्य, बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष सीनियर एडवोकेट राजेश पंवार भी मौजूद रहे। बार कौंसिल ऑफ राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष सुनील बेनीवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता जगमाल सिंह, बीएस संधू, अधिवक्ता सुशील शर्मा, सुरेश श्रीमाली भी उपस्थित थे।

पालिका की करोड़ों की जमीन पर भू-माफियाओं ने कब्जा किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसींद नगरपालिका की नगर क्षेत्र के वार्ड नंबर 22 में करोड़ों रुपए की बेशकीमती जमीन पर भू माफियाओं द्वारा अतिक्रमण कर वहां निर्माण कार्य शुरु कर दिया गया। जहां नगरपालिका की जमीन हथियाने की जानकारी मिलने पर मौके पर विधायक जब्बर सिंह सांखला एवं पालिका चेयरमैन देवीलाल साहू ने पहुंचकर राजस्व विभाग व पालिका ईओ की टीम तथा पुलिस प्रशासन को मौके पर बुलाकर नाप करवाई।

- **विधायक जब्बर सिंह सांखला एवं पालिका चेयरमैन देवीलाल साहू मौके पर पहुंचे**
- **राजस्व विभाग व पालिका ईओ की टीम तथा पुलिस प्रशासन को बुलाकर नाप करवाई**

नगर पालिका क्षेत्र के नेशनल हाईवे 148 डी बाजूंदा रोड को जोड़ने वाली सड़क किनारे संतपाल स्कूल एवं निर्माणाधीन पानी की टंकी के पास कुछ प्रॉपर्टी व्यवसायियों की जमीनें है। इनकी सीमा से सटी हुई करोड़ों रुपए कीमती नगरपालिका की बेशकीमती जमीन खाली पड़ी हुई है। जहां विगत दिनों रातों-रात भू माफियाओं ने जमीन हथियाने को लेकर कुछ गाडोलिया लोहार परिवारों को टीन टप्पर बनवा कर बैठा दिया तथा इस बेशकीमती जमीन पर भूमाफियाओं ने चारदीवारी का निर्माण कार्य शुरू करवा दिया। इस बात को लेकर विगत दिनों नगरवासियों में चर्चा फैल गई। इस बेशकीमती जमीन को हथियाने की जानकारी मिलने पर विधायक जब्बर सिंह सांखला तथा पालिका चेयरमैन देवीलाल साहू एवं उनके साथ पार्षद अनिल सिंह तंवर, सत्येंद्र सिंह चौहान आदि मौके पर पहुंचे तथा पालिका अधिशासी अधिकारी मोहित पंचोली तथा उपखंड अधिकारी सी पी वर्मा एवं तहसीलदार भंवर लाल सेन को सूचित कर राजस्व विभाग की टीम को बुलवाया तथा मौके पर जमीन नाप का किया। जिसमें प्रथम दृष्टया सामने आया कि यह करोड़ों रुपए की बेशकीमती जमीन का हिस्सा नगरपालिका का है। लेकिन भूमाफिया ने कार्रवाई करने पर विरोध किया। विधायक जब्बर सिंह सांखला ने कहा कि नगर पालिका की जमीन पर भूमाफिया द्वारा कब्जा किया जा रहा है जिससे प्रशासन मुक्त करवाने की कार्रवाई कर रहा है।

वहीं पूर्व विधायक हगामी लाल मेवाड़ा ने कहा कि इस जमीन पर 100 साल से गाडूलिया लोहार का कब्जा है इसे हटाना गलत है। नगर पालिका चेयरमैन देवीलाल साहू ने कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण मुक्त कराने के आदेश दिए इस पर नगरपालिका कार्रवाई कर रही है।

खस्ताहाल राजस्थान रोडवेज

जयपुर 26 जून। राजस्थान रोड़वेज की बसों की खस्ता हालत से यात्रियों को प्रति दिन बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण से राज्य सरकार द्वारा महिलाओं से आधा किराया वसूलने तथा पत्रकारों आदि को नि:शुल्क यात्रा की सुविधा देने से यात्री भार तो बढ़ रहा है किंतु यात्रियों को आये दिन मुसीबतों का सामना करने से रोड़वेज प्रशासन व राज्य सरकार की छवि को लाभ के स्थान पर हानि ही अधिक हो रही है।

इस संबंध में उदाहरण प्रस्तुत करना उपयुक्त है। दिनांक 25 जून, 2023 रविवार को मैं करीब 12 बजे दोपहर दिल्ली से जयपुर के लिए राजस्थान रोड़वेज कह बस से जयपुर तक यात्रा करने का निर्णय लिया। बस दिल्ली से रवाना होकर बहरोड़ तक आई और वहां ब्रेक डाउन हो गई। यात्रियों से कहा गया कि वे अब दूसरी बसों से आगे की यात्रा करें। यात्री बस से नीचे उतरे तथा पूरे मुंह पर कपड़ा लपेटे लेडी कंडक्टर और ड्राइवर से दूसरी बस में बैठाने का आग्रह करने लगे। ड्राइवर बस को स्टार्ट करने के प्रयास भी करता रहा अत: कुछ समय बाद वह चालू हो गई और यात्री अपने सामान के साथ फिर से इसमें सवार हो गये। कोटपूतली आते ही फिर बस आगे न बढ़ने को अड़ गई।

सब यात्री नीचे उतरे और अन्य बसों का इन्तजार करने लगे। कई बसों के ड्राइवरों-कंड़क्टरों से मिन्नतें करने के बाद एक बस ने यात्रियों को बैठा लिया किंतु कुछ यात्री बच गये जिनको दूसरी बस में बैठाया गया। संयोगवश इस बस का टायर थोड़ी दूर चलने के बाद वहीं भस्ट हो गया। सभी यात्रियों को बस से उतारा गया और कंडक्टर उनको अपने सामान के साथ करीब एक किलोमीटर बस स्टैण्ड तक ले गया और वहां बस का इन्तजार करने लगे।

मैं अधिक सब्र करने की स्थिति में नहीं था। वहीं से हरियाणा रोड़वेज की बस पकड़ी और दिल्ली से जयपुर तक की यात्रा नो घंटे में पूरी कर ली। अन्य यात्री कब तक जयपुर पहुंचे होंगे भगवान ही जानता है। हरियाणा रोड़वेज से राजस्थान रोड़वेज की तुलना करें तो हरियाणा रोड़वेज कई गुणा बेहतर है। हरियाणा रोड़वेज के ड्राइवर-कंडक्टर की खाकी वर्दी, यात्रियों के सामान चढ़ाने-उतारने में पूरी मदद, बसों की एवन कंडीशन इससे राजस्थान रोड़वेज को बहुत सीखने की जरूरत है।

जानकारी मिली है कि तकनिकी कारणों से राजस्थान रोड़वेज प्रशासन नई बसें नहीं खरीद सका है। अधिकांश पुरानी बसें खस्ता हाल है, ऐसी ही ठेके की बसों से काम चलाया जा रहा है। राज्य सरकार और माननीय मुख्यमंत्री सभी की सभी मांगे मानने को उत्सुक है किंतु मूलभूत आवश्यक सुविधाओं की ओर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाना चाहिए।

–देवि सिंह नरूका,
स्वतंत्र पत्रकार

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 28 जून, 2023

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, चित्रा नक्षत्र सांय 4:01 तक, परिद्य योग प्रात: 6:03 तक, तैतिल करण दिन 3:12 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कर्क, बुध-मिथुन, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात है। आज आशा दशमी व्रत है। गुप्त नवरात्रा व्रत पारणा और नवरात्रौत्थापन, मन्वादि, गिरिजा दशमी पूजा, उल्टारथ और पुन:यात्रा है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:03 तक, शुभ 10:47 से 12:30 तक, चर 3:55 से 5:38 तक, लाभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:20

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना बनेगी। क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृश्चिक
घर-परिवार के कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। शुभ मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मीन
महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। वाद-विवाद के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।